प्रोजेक्ट 17A: INS हिमगिरि और INS उदयगिरि

[स्रोत: IE]

दो उन्नत **प्रोजेक्ट 17A** मल्टी-मिशन स्टील्थ फ्रिगेट, INS उदयगिरि और INS हिमगिरि को नौसेना में शामिल किया गया है, जो भारत के नौसैनिक आधुनिकीकरण में एक महत्त्वपूर्ण कदम है।

- **प्रोजेक्ट 17A:** P17A जहाज़ों में अपने P17A (शिवालिक) वर्ग की तुलना में उन्नत स्टेल्थ क्षमताएँ हैं, जिनमें पतवार (हुल) डिज़ाइन और हथियार प्रणालियों में सुधार शामिल है।
  - डिज़ाइन में **'स्टेट ऑफ द आर्ट'** हथियार और सेंसर शामिल हैं, जिनमें सुपरसोनिक सतह-से-सतह मार करने वाली मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह-से-हवा मार करने वाली मिसाइलें और रैपिड-फायर क्लोज-इन वेपन सिस्टम शामिल हैं।
  - ये मल्टी-मिशन फ्रिगेट्स **'ब्लू वाटर'** वातावरण में संचालन के लिये डिज़ाइन किये गए हैं, जिसका अर्थ है कि वे भारत के **समुद्री हितों के भीतर पारंपरिक और अपारंपरिक दोनों प्रकार के खतरों** से निपट सकते हैं।
  - एक **एकीकृत प्लेटफॉर्म प्रबंधन प्रणाली (IPMS)** भी स्थापित की गई है, जो जहाज़ की कार्यक्षमता और क्रू समन्वय को अनुकूलित करने के लिये है।
- **INS हिमगिरि: पहला P-17A** स्टील्थ फ्रिगेट, जिसे **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE)** द्वारा विकसित किया गया है।
- **INS उदयगिरि:** दूसरा **P-17A** स्टील्थ फ्रिगेट, जिसे **मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL)** द्वारा विकसित किया गया है और यह **नौसेना के वारशिप डिज़ाइन ब्यूरो द्वारा डिज़ाइन** किया गया **100वाँ जहाज़** भी है।
- **क्षमताएँ: ब्रह्मोस मिसाइल, बराक-8 मिसाइल, LRSAM, टॉरपीडो, रॉकेट लॉन्चर, उन्नत राडार और शक्ति इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट** से सुसज्जित।
- **विरासत:** दोनों जहाज़ों के नाम पहले के **INS उदयगिरि (1976) और INS हिमगिरि (1974)** के ऐतिहासिक नामों को पुनर्जीवित करते हैं, जिन्होंने **ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन कैक्टस, ऑपरेशन सहायता** और अन्य में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

और पढ़ें: प्रोजेक्ट 17A फ्रिगेट हिमगिरि

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/project-17a-ins-himgiri-ins-udaygiri